धर्मादा निधि रिपोर्ट

वर्ष 2015–2016 के दौरान 642 दानदाताओं (461 भारत तथा 181 विदेशी दानदाता) द्वारा दिये गये दान से 412.70 लाख रूपये अर्जित हुए हैं । प्रमुख दानदाताओं की सूची इस प्रकार से है :

- प्रोफेसर अशोक सेन (MSC2/PHY/1978) ने भौतिकी विभाग में अपने नाम पर सम्मेलन कक्ष की स्थापना के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।
- श्री तरनबीर सिंह (BT/CSE/2006) ने संकाय सदस्यों की भर्ती करने हेतु धन उपलब्ध कराया है।
- डॉ रविन्द्र कुमार सखूजा (BT/ME/1966) ने सखूजा इनोवेशन सेन्टर की स्थापना के लिए धन उपलब्ध कराया है।
- श्री बदरेश साह (BT/MME/1974) ने वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।

दानदाताओं, शुभचिंतकों तथा पूर्वछात्रों के उदार सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में निम्नलिखित अवार्ड, मेडल तथा छात्रवृत्तियों का गठन किया गया है।

- डॉ. कैलाश एन श्रीवास्तव द्वारा प्रोफेसर ए पी सिंह पावर सिस्टम रिसर्च अवार्ड का गठन किया गया है। यह अवार्ड विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के एम टेक विद्यार्थी को प्रति वर्ष प्रदान किया जाएगा।
- श्री वसुदेव डी नवेलकर (MT/CSE/2000) ने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में राधाबाई वसुदेव नवेलकर अवार्ड का गठन किया है । यह अवार्ड संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग मे सर्वोच्च सीपीआई हासिल करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाता है।
- Eaton Corporatio द्वारा तीन योग्य छात्राओं को Pratiba & the Eaton Excellence Award प्रदान किया जाता है।
- कृष वेंकटरमन कृष्णा (BT/EE/1975) द्वारा जयालक्ष्मी स्कालरशिप का गठन किया गया है । यह स्कालरशिप बी.टेक उत्तीर्ण छात्रा को प्रदान की जाती है।
- श्री स्वपन सेन गुप्ता (BT/CE/1976) ने सेनगुप्ता छात्रवृत्ति का गठन किया है। यह छात्रवृत्ति सिविल अभियांत्रिकी विभाग के ऐसे विद्यार्थी को दी जाती है जिसने स्ट्रक्चर के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की हो।
- डॉ अशोक के जैन (PHD/CE/1978) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व अतिथि संकाय ने श्रीमती शांति जैन मैमोरियल स्कालरशिप का गठन किया है ।
- डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सेवानिवृत्त संकाय द्वारा बी पी श्रीवास्तव स्कालरशिप का गठन किया है । यह छात्रवृत्ति आय के आधार पर दी जाती है और यदि विद्यार्थी का प्रदर्शन संतोषजनक रहता है तो उसे अगले साल भी जारी रखा जाता है ।
- 'अनिता एवं संतोष मेहरा स्कालरशिप' के दानी श्री संतोष मेहरा (BT/EE/1966) तथा श्रीमती अनिता मेहरा द्वारा 2010 में गठित 'सुश्री अनिता मेहरा' छात्रवृत्ति की वर्तमान राशि को बढ़ाने के लिए और अधिक धन उपलब्ध कराया है।

वर्ष 1965,1989 तथा 1990 बैच के पूर्वछात्रों द्वारा अपारच्युनिटी स्कूल तथा कैंपस स्कूल को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उल्लेखनीय आर्थिक मदद प्रदान की है । प्रोफेसर तपन बागची (BT/EE/1966) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के औद्योगिक एवं प्रबंधन विभाग के पूर्व संकाय सदस्य द्वारा न्यू शापिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु उदार आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

सर्ज कार्यक्रम देशभर के अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम पूर्वछात्रों द्वारा उपलब्ध कराई गई आर्थिक मदद से 2015 के ग्रीष्मकाल में किया जा चुका है । इस कार्यक्रम में देशभर के संस्थानों से 64 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा परामर्शदाता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 55 संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों का चयन कड़ी प्रतिस्पर्धा के माध्यम से किया गया। लगभग 2200 आवेदन पत्रों में से 64 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

पूर्वछात्रों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियाँ

अ . संस्थान के पूर्वछात्रों द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियाँ ।

वर्ष 2015–2016 के दौरान हमारे प्रतिष्ठित एवं सम्मानीय पूर्वछात्रों को विभिन्न सम्मान एवं अवार्ड प्रदान किये गये हैं ।

- डॉ राकेश के जैन (BT/CHE/72) को प्रतिष्ठित नेशनल मेडल ऑफ साइंस प्रदान किया गया है । डॉ. जैन यू.एस. में साइंस के लिए इस सर्वोच्च सम्मान को प्राप्त करने वाले सभी आई आई टी में प्रथम आई आई टी एल्यूमनी हैं ।
- डॉ. सौरभ श्रीवास्तव (BT/ME/1968) को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पदमश्री से नवाजा गया है । डॉ श्रीवास्तव भारतीय आई टी उद्योग के प्रति अपने असीम योगदान तथा भारत में vibrant entrepreneurial ecosystem के निर्माण का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं ।
- प्रोफेसर वीना सहेजवाला (BT/MME/1986) को AFR & Westpac 100 Women of Influence सपेज के तहत इनोवेशन हेतु अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रोफेसर वीना सहेजावाला एक इनवेंटर तथा UNSW आस्ट्रेलिया के विज्ञान विभाग में पदार्थ विज्ञान की प्रोफेसर हैं। वह सतत पदार्थ अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के UNSW स्मार्ट सेन्टर की निदेशक हैं साथ ही आस्ट्रेलियन रिसर्च काउन्सिल लॉरिएट

की फैलो भी हैं।

- 1987 बैच के प्रोफेसर मोहन मित्रा (MSE/MTH) तथा 1983 बैच के प्रोफेसर जी रविन्द्र कुमार (PHD/PHY) को इन्फोसिस साइंस फाउन्डेशन की ओर से इन्फोसिस प्राइज से सम्मानित किया गया है।

ब . पूर्वछात्रों द्वारा उल्लेखनीय उद्यमी संबंधी प्रयास

संस्थान के पूर्वछात्रों द्वारा उद्यम से संबंधित किये गये कुछ प्रयास

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वछात्र दीपान्शू मालवीया (BT/MME/2006) तथा उनके सहयोगियों को अप्रैल 2015 में अंतरिक्ष में भेजे गये एक यान dh Series। के अंतर्गत Lighespeed, Sequoia India & Times Internet Ltd से 20 मिलियन डालर प्राप्त हुए हैं । वर्तमान में दिल्ली एनसीआर में क्रियाशील यह अंतरिक्ष यान 50 मार्गों पर 500 बसों को शटल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त यह यान पूरे महानगरीय क्षेत्र में 15,000 मार्गों की व्यवस्था को भी संभालता है।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वछात्र राहुल जायसवाल (BT/MME/2002) तथा अन्य सह–संस्थापकों द्वारा EnCashea-Com का उदघाटन किया गया है। इस उपक्रम में आपके घरों से सभी प्रकार के अप्रयुक्त पदार्थों को निशुल्क इकठ्ठा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। EnCashea-Com टीच फार इंडिया का सहयोग करती है। यह संस्था एक गैर–सरकारी संगठन है जो शैक्षणिक असमानता को दूर करने तथा भारत के अब तक के सबसे बड़े सफाई अभियान 'स्वच्छ भारत अभियान' के लिए कार्य करती है।

विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

भा.प्रौ.सं.कानपुर अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षिक गतिविधियों के साथ–साथ पाठ्येत्तर गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है। संस्थान के अनुसार स्थायी सामाजिक एवं मानवीय संबंध ही छात्र संस्थाओं का मूल आधार है। संस्थान अपने विचार को मूर्त रूप देने के लिए छात्र जिमखाना एवं अन्य छात्र संस्थाओं द्वारा संचालित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का पोषण करता है। छात्र जिमखाना एक स्वायत्त संस्था है, जो छात्रों को अपने रूचि के क्षेत्र में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करता है।

संस्थान में पूर्व वर्ष की भाँति अंतर–छात्रावास प्रतियोगिताएं यथा –गैलेक्सी, तकनीक, स्पैक्ट्रम एवं इन्फर्नो का आयोजन किया गया। नये विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को सामने लाने के उद्देश्य से फ्रेशर इन्फर्नो टूर्नामेंट का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का एक मात्र उद्देश्य संस्थान के छात्रों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेल–कूद के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना था। इस वर्ष जनरल चौम्पियनशिप के दौरान 'मेलैंग' नाम से एक नई प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता तथा समाज कल्याण की भावना का विकास करना था। 'मेलैंग' के अंतर्गत इन्वायरोथॉन–रन फॉर ग्रीन, बुक बार्टर, नया साल जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त इस वर्ष दो और नये अंतर–परिसर उत्सवों – कल्टएक्स एवं मोंटेज का भी आयोजन किया गया।

संस्थान में पढ़ने वाली छात्राओं का छात्र समुदाय में एक विशेष स्थान है। सामान्य तौर पर जनरल चौम्पियनशिप के लिए बालिका छात्रावास की टीमों को बालक छात्रावास के टीमों के साथ मिला दिया जाता था। वर्ष 2015–16 की जनरल चैम्पियनशिप में छात्राओं को बराबर का अवसर प्रदान करने, अपने अनुकूल वातावरण तैयार करने, स्वयं की पहचान बनाने के उद्देश्य से छात्राओं का एक नया पूल 'वीरा' बनाया गया । इस पूल के जुड़ने से पूलों की कुल संख्या 5 हो गई । छात्र जिमखाना ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नये समूह का निर्माण किया है जिन्हें सेल के नाम से जाना जाएगा। सेल के अंतर्गत छात्र सीनेट द्वारा मनोनित समस्त समन्वय शामिल रहेंगे तथा अन्य परिषद की तरह सीनेट के प्रति जवाबदेह होंगे। अध्यक्षीय परिषद को रद्द कर दिया गया है और इस तीन नये सेल में परिवर्तित कर दिया गया है। तीनों नये सेल इस प्रकार हैं – कम्युनिटी वेलफेयर सेल, इंटरप्रेरनेओरशिप सेल तथा एकेडमिक एवं रिसर्च सैल। जनरल अफेयर काउन्सिल का गठन किया गया है जो छात्र समुदाय से संबंधित विषयों के लिए अध्यक्ष को मदद करेगी।

छात्र सीनेट

छात्र जिमखाना मुख्यतः छात्र सीनेट के माध्यम से कार्य करता है। छात्र जिमखाना में निर्वाचित अध्यक्ष, महासचिव, सीनेटर तथा अन्य पदाधिकारी होते हैं। सीनेट संस्थान के छात्रों से संबंधित विभिन्न मामलों पर विचार करता है और छात्र जिमखाना की कार्य–प्रणाली के लिए दिशा–निर्देश तय करता है।

वर्ष 2015–16 में छात्र सीनेट की अगुवाई में निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- छात्र जिमखाना के प्रमाणित पदों के लिए पात्रता मानदंड का पुनर्मूल्यांकनः छात्र जिमखाना के प्रमाणित पदों के लिए पात्रता मानदंडों में परिवर्तन किया गया है।

- छात्र जिमखाना की जनरल चौम्पियनशिप के लिए 5 पूल की व्यवस्थाः जनरल चौम्पियनशिप में पहली बार 5 पूल को भाग लेने का मौका मिला। इन पूलों में से एक छात्राओं का था। पाँचवें पूल में कम संख्या को ध्यान में रखकर इस पूल के लिए सहभागिता मानदंडो को शिथिल किया गया।

- स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं की समीक्षाः स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन समीक्षा की व्यवस्था की गई और प्रतिक्रियाओं को दर्ज किया गया। छात्र जिमखाना के अध्यक्ष ने ऑनलाइन समीक्षा पर आधारित रिपोर्ट को संस्थान प्राधिकारी के समक्ष रखा और ऑनलाइन मैनेजमेंट सिस्टम चालू करने का आग्रह किया।